

भारत सरकार
इस्पात मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1789
10 फरवरी, 2026 को उत्तर के लिए

पेलेट संयंत्र परियोजनाएं

1789. डॉ. नामदेव किरसान:

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) गुआ, डल्ली और राउरकेला में पेलेट संयंत्रों को प्रथमतः अनुमोदित किए जाने के बाद से उनकी स्वीकृति, रद्द करने, पुनः निविदा जारी करने और प्रक्रिया परिवर्तन की वर्षवार स्थिति क्या है;

(ख) पेलेट संयंत्र परियोजनाओं में देरी और अनुबंधगत विफलताओं से उत्पन्न कुल वित्तीय देयता, जिसमें मध्यस्थता पंचाट, ब्याज भुगतान और अवसर लागत शामिल हैं, कितनी है;

(ग) वर्ष 2017-24 के दौरान संयंत्रवार कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) में निर्धारित मानदंडों के मुकाबले कितनी कमी आई है; और

(घ) वर्ष 2017-24 के दौरान ब्लास्ट फर्नेस-वार अनियोजित शटडाउन समयावधि और अतिरिक्त कैपिटल रिपेयर समयावधि का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

इस्पात राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजु श्रीनिवास वर्मा)

(क) और (ख): गुआ पेलेट संयंत्र परियोजना को प्रारम्भ में वर्ष 2010 में स्वीकृति दी गई थी तथा इसका ठेका वर्ष 2014 में प्रदान किया गया था। तथापि, आवश्यक वन मंजूरी (एफसी) प्राप्त न होने के कारण परियोजना को आगे नहीं बढ़ाया जा सका और परिणामस्वरूप वर्ष 2019 में ठेका रद्द कर दिया गया। इसके पश्चात, इस प्रस्ताव को बिल्ड-ओन-ऑपरेट (बीओडी) मॉडल के अंतर्गत पुनः संसाधित किया गया।

दल्ली खान में बीओओ मॉडल के अंतर्गत पेलेट संयंत्र स्थापित करने का प्रस्ताव वर्ष 2021 में प्रारम्भ किया गया था, वर्ष 2022 में मंजूरी प्रदान किया गया एवं यह संयंत्र सितंबर 2025 से परिचालन में है।

राउरकेला इस्पात संयंत्र में पेलेट संयंत्र को अक्टूबर 2021 में कॉस्ट-ओनरशिप-मैनेजमेंट (सीओएम) आधार पर स्वीकृति दी गई तथा इसका ठेका फरवरी 2025 में प्रदान किया गया।

राउरकेला इस्पात संयंत्र एवं दल्ली खान में संयंत्र परियोजनाओं के कारण कोई वित्तीय दायित्व उत्पन्न नहीं हुआ है। तथापि, रद्द किए गए गुआ पेलेट संयंत्र अनुबंध के संबंध में ठेकेदार द्वारा एक दावा प्रस्तुत किया गया है, जो वर्तमान में न्यायालय में विचाराधीन है।

जारी...2/-

:2:

(ग) और (घ): इस्पात संयंत्रों में कोल डस्ट इंजेक्शन (सीडीआई) का उपयोग अलग-अलग ब्लास्ट फर्नेस की डिजाइन विशेषताओं तथा प्रचालन मानकों पर निर्भर करता है। हाल के वर्षों में, सेल द्वारा सीडीआई के कार्यनिष्पादन में क्रमिक सुधार किए गए हैं और वर्ष 2024 में इसके संयंत्रों में औसतन 106 किलोग्राम प्रति टन हॉट मेटल (kg/thm) का स्तर प्राप्त किया गया है।

ब्लास्ट फर्नेस का संचालन एक सतत एवं नियमित प्रक्रिया है और यह एकीकृत इस्पात संयंत्र के समग्र प्रचालन का अभिन्न अंग है। इस्पात संयंत्रों की वार्षिक उत्पादन योजनाएँ वित्तीय वर्ष के प्रारंभ से पूर्व निर्धारित की जाती हैं, जिनमें अनुरक्षण आवश्यकताओं, प्रचलित बाजार परिस्थितियों तथा कंपनी की समग्र व्यावसायिक योजना को ध्यान में रखा जाता है।
